श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 190, पृष्ठ 4 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

संध्या कालीन | नगर संस्करण | प्रयागराज | रविवार 04 जुलाई 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

लव जिहाद : अलीगढ़ में नाबालिग का बाल विवाह कर कराया धर्मांतरण

अलीगढ़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में लव जिहाद का मामला सामने आने पर पुलिस ने पूर्व मेयर की तहरीर पर शनिवार को दो महिलाओं सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को जेल भेज दिया है। आरोप है कि अलीगढ़ निवासी युवक ने मूल रूप से कानपुर निवासी और वर्तमान में नोएडा में रह रही नाबालिग से बाल विवाह कर धर्मांतरण करा दिया। इससे पहले मामले को लेकर हिंदूवादियों ने थाने पर जमकर हंगामा और प्रदर्शन किया। बननदेवी थाना क्षेत्र के डूडा कालोनी के रहने वाले समुदाय विशेष के युवक पर पड़ोसियों ने आरोप लगाया कि वह एक दूसरे पक्ष की किशोरी को बहला फुसलाकर अलीगढ़ अपने घर ले आया है। दो महीने से उसी के साथ रह रहा है। किशोरी के रहन.सहन को देखकर पड़ोसियों को शक हुआ तो परिवार से पूछताछ की गई। लेकिन परिवार का कोई सदस्य संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। शनिवार को मामले की जानकारी पड़ोसियों ने भाजपा कार्यकर्ताओं को दी।इसके बाद भाजपा नेता संजू बजाज अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंच गए। पूर्व मेयर शकुंतला भारती भी अपने समर्थकों के साथ पहुंची और दर्जनों कार्यकर्ताओं के साथ थाने का घेराव करते हुए हंगामा किया।

यूपी जिला पंचायत चुनाव

बीजेपी की जीत के लिए पीएम मोदी, नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह ने सीएम योगी को दिया श्रेय

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव में ;भारतीय जनता पार्टीद्ध भाजपा को ऐतिहासिक जीत मिलने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी है और इस बड़ी जीत का श्रेय यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दिया है। पीएम मोदी ने एक ट्वीट में लिखा कि श्यूपी जिला पंचायत चुनाव में भाजपा की शानदार विजय विकासए जनसेवा और कानून के राज के लिए जनता.जनार्दन का दिया हुआ आशीर्वाद है। इसका श्रेय मुख्यमंत्री

योगी जी की नीतियों और पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम को जाता है। यूपी सरकार और भाजपा संगठन को इसके लिए हार्दिक बधाई। यह पहला मौका है जब जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में 67 जिलों में भाजपा को अपना जिला पंचायत अध्यक्ष बनाने की खुशी मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी इस शानदार जीत का श्रेय योगी आदित्यनाथ को ही दिया है। एक ट्वीट में जेपी नड्डा ने लिखा कि श्उत्तर प्रदेश जिला पंचायत चुनाव में भाजपा की शानदार जीत के लिए और कार्यकर्ताओं को बधाई। प्रधानमंत्री /दंतमदकतंउवकप जी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार लगातार सबके विकास के लिए काम रही है।यह जीत भाजपा की नीतियों पर जनता के विश्वास का प्रतीक है।

विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी को बूस्टर डोज

75 में से 67 सीटों पर जमाया कब्जाय सपा को बड़ा झटका

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक जीत मिली है। माना जा रहा है कि यूपी विधानसभा चुनाव से पहले यह जीत भाजपा के लिए बूस्टर डोज है। 2015 में यूपी की आधी से ज्यादा सीटों पर राज करने वाली सपा को करारा झटका लगा है। सोनिया गांधी की ससंदीय सीट रायबरेली और सपा के मैनपुरी जिले में भी भाजपा ने सेंधमारी की है।

भाजपा ने रायबरेली में कांग्रेस और मैनपुरी में सपा का किला ढहा दिया है। पहली बार जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में 67 जिलों में

भाजपा को अपना जिला पंचायत अध्यक्ष बनाने की खुशी मिली है। यह खुशी इसलिए और बड़ी मानी जा रही है क्योंकि महज कुछ माह बाद ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

इस जीत के बड़े संदेशों के साथ भाजपा की ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रियता और बढ़ेगी।67 में से 21 जिला पंचायत अध्यक्ष पहले ही निर्विरोध हो गए थे। शनिवार को हुए चुनाव में 46 प्रत्याशियों ने प्रतिद्वंदियों को सीधे मुकाबले में हराकर जीत हासिल की। आज हुए मतदान में भाजपा प्रत्याशियों को निर्दलियों का काफी समर्थन मिला।

झारखंड

खूंटी में बारिश के बीच वज्रपात से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

कर्राखूंटी (एजेंसी)। झारखंड के खूंटी जिले के कर्रा प्रखंड के लरता पंचायत के डहुटोली गांव में शनिवार की शाम हुई वज्रपात से एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। मरने वालों में मंगा मुंडा ;55 वर्षद्धए पूना मुंडा ;32 वर्षद्धए जिवंती मुंडाईन ;45 वर्षद्धए जयमा मुंडाईन ;30 वर्षद्ध और आयुस मुंडा ;05 वर्षद्ध के नाम शामिल हैं। साल 2021 में वज्रपात से जिले में अब तक 16 लोगों की जान जा चुकी है। इस परिवार में अब तीन सदस्य बचे हैंए जिसमें से एक दिल्ली में है। जानकारी के अनुसार शनिवार को परिवार के पांचों सदस्य अपने खेत में मूंगफली बो रहे थे। इसी क्रम में बारिश शुरू हो गई। भीगने से बचने के लिए सभी पास के एक महुआ के पेड़ के नीचे खड़े हो गए। तभी आसमानी बिजली गिरीए जिससे एक साथ पांचों झुलस गए और घटनास्थल पर ही सभी की मृत्यु हो गई। इस दुर्घटना के बाद बीडीओ कुमार देवेश द्विवेदी और थाना प्रभारी मुनन सिंह डहुटोली पहुंच चुके हैं।

पुष्कर धामी होंगे उत्तराखंड के सबसे युवा सीएम

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री खटीमा विधायक पुष्कर सिंह धामी होंगे। भाजपा प्रदेश कार्यालय में विधानमंडल की बैठक के बाद धामी के नाम पर मुहर लग गई है। केंद्रीय मंत्री और पर्यवेक्षक नरेंद्र तोमर एवं प्रदेश प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम सहित पूर्व मुख्यमंत्रियों तीरथ सिंह रावत और त्रिवेंद्र सिंह रावतए भाजपा सांसदों और विधायकों की मौजूदगी में धामी के नाम पर मुहर लग गई है। धामी उत्तराखंड में खटीमा विधानसभा से विधायक हैं। उत्तराखंड प्रदेश के अति सीमान्त जनपद पिथौरागढ की ग्राम सभा टुण्डीए तहसील डीडी हाट में उनका जन्म 16 सितंबर 1975 को हुआ। 45 वर्षीय धामी उत्तराखंड के सबसे युवा मुख्यमंत्री बने हैं। सैनिक पुत्र होने के नाते उनमें अनुशासन कूट.कूट कर भरा हुआ है। महाराष्ट्र के राज्यपाल और पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी के वह सलाहकार भी रह चुके हैं। धामी के पास संगठन का बहुत लंबा अनुभव भी हैए लेकिन सत्ता का अनुभव मुख्यमंत्री बनने

के बाद मिल पाएगा। धामी के मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके नेतृत्व में ही ही 2022 का विधानसभा चुनाव लड़ा जाएगा। भाजपा अध्यक्ष मदन कौशिक ने भी उनको बधाई देने के बाद कहा कि धामी बहुत ही ज्यादा ऊर्जावान कार्यकर्ता हैं। चूकिंए वह उत्तराखंड के सबसे युवा मुख्यमंत्री बने हैं इसलिए युवाओं का पूरा स्पोर्ट मिलेगा। पूर्व सीएम तीरथ सिंह रावत ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि धामी ऊर्जावान होने के साथ ही युवा हैंए जो पार्टी को मजबूती देने के साथ ही 2022 के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करवाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा उत्तराखंड में एक मजबूत पार्टी हैए जो पूर्ण बहुमत से जीत दर्ज कराएगी। कहा कि उनके अनुभव से प्रदेश को बहुत फायदा मिलेगा। सूत्रों की मानेंए तो शपथ ग्रहण समारोह कल रविवार को होगा।

प्रकाश हॉस्पिटल
स्वास्थ सेवाओं के लिए 24 घंटे सेवा में तत्पर

निदेशक- डॉ. विजय बाबू यादव
(सदस्य जिला पंचायत)
Mob.: 8858487147
पता-भीरपुर करछना, प्रयागराज

ईडी ने चीन के लिए जासूसी के आरोपी पत्रकार राजीव शर्मा को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ;ईडीद्ध ने मनी लॉन्ड्रिंग प्रिवेंशन एक्ट ;पीएमएलएद्ध के तहत दिल्ली के एक स्वतंत्र पत्रकार राजीव शर्मा को गिरफ्तार किया है। उन पर पैसों के बदले चीनी खुफिया अधिकारियों को गोपनीय और संवेदनशील जानकारी मुहैया कराने का आरोप है। ईडी से पहले दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने राजीव शर्मा को केंद्रीय खुफिया एजेंसी की सूचना के आधार पर पिछले साल 14 सितंबर को गिरफ्तार किया था। कथित तौर पर गिरफ्तारी के दौरान उनके पास से रक्षा मंत्रालय के गोपनीय दस्तावेज मिले थे। पुलिस ने पत्रकार से पूछताछ के बाद एक चीनी महिला और उसके नेपाली सहयोगी को भी गिरफ्तार किया था।

राजस्थान में कांग्रेस में संकट बरकरार, बाड़मेर के तीन विधायकों ने दिल्ली में डाला डेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में कांग्रेस की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कुछ दिनों की खामोशी के बाद एक बार फिर राजस्थान कांग्रेस के अंदर चल रहा मनमुटाव सतह पर आने लगा है। शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात का इरादा लेकर बाड़मेर से तीन विधायक दिल्ली पहुंच चुके हैं।

माना जा रहा है कि मुलाकात के दौरान यह लोग आलाकमान पर मंत्रिमंडल विस्तार और राजनीतिक नियुक्तियों में जगह पाने के लिए दबाव बनाएंगे। बाड़मेर विधानसभा क्षेत्र से जो तीनों विधायक दिल्ली पहुंचे हैंए उनके नाम अमीन खानए मदन प्रजापत और मेवाराम जैन हैं। दिल्ली में कैंप कर रहे यह तीनों विधायक अशोक गहलोत खेमे के माने जाते हैं। इन तीनों में से अमीन खान अशोक गहलोत सरकार में मंत्री भी रह चुके

हैं। बताया जाता है कि यह तीनों कांग्रेस महासचिव और राजस्थान के प्रभारी अजय माकन से आज मुलाकात करेंगे। हालांकि इनका दावा है कि उनका दिल्ली आने का कोई राजनीतिक मकसद नहीं है। अमीन खान ने कहा कि वह सिर्फ घूमनेकृफिरने और अजय माकन आदि कुछ अन्य नेताओ से मुलाकात के सिलसिले में दिल्ली आए हैं। इस बीच इस राजनीतिक सरगर्मी पर करीब से नजर रखने वाले एक नेता का कहना है कि राजस्थान में कैबिनेट विस्तार होना है। इसमें मुख्यमंत्री पायलट ग्रुप के कुछ विधायकों को जगह दे सकते हैं। इनमें सीनियर लीडर और पूर्व मंत्री हेमराम चौधरी की संभावनाएं सबसे तगड़ी हैं।

Reg. No. U01400UP2021PTC147142
स्थापना वर्ष - 2021
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS
शेषदुर्गा हर्बल प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड

प्रयागराज के किसानों से आग्रह है कि सुनहरे भविष्य के लिए औषधीय पौधों की खेती करके अपनी आय चार गुना ज्यादा बनाने के लिए कम्पनी की सदस्यता ग्रहण करें।
फाउण्डर आर. पी. पाण्डेय LL.B
ग्राम-कबरा, पोस्ट-डीहा, तहसील-करछना, प्रयागराज
रजि. कार्यालय-868/5 कृष्णा नगर, अरैल, नैनी, प्रयागराज
Mob.: 9935613506

'कोरोना की तीसरी लहर अक्टूबर-नवंबर में चरम पर होगी', कोविड-19 गाइडलाइन को लेकर वैज्ञानिकों ने चेताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोविड-19 महामारी से संबंधित एक सरकारी समिति के एक वैज्ञानिक के अनुसार अगर कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन नहीं किया जाता है, तो कोरोना वायरस की तीसरी लहर अक्टूबर-नवंबर के बीच चरम पर पहुंच सकती है, लेकिन दूसरी वृद्धि के दौरान दर्ज किए गए दैनिक मामलों के आधे मामले देखने को मिल सकते हैं। कोविड-19 मामलों की 'मॉडलिंग को लेकर काम करने वाली एक सरकारी समिति के एक वैज्ञानिक ने कहा कि यदि कोई नया स्वरूप उत्पनन्न होता है तो तीसरी लहर तेजी से फैल सकती है। 'सूत्र मॉडल' या कोविड-19 के गणितीय अनुमान में शामिल मनिंद्र अग्रवाल ने यह भी कहा कि तीसरी लहर के अनुमान के लिए मॉडल में तीन परिदृश्य हैं - आशावादी, मध्यवर्ती और निराशावादी।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने पिछले साल गणितीय मॉडल का उपयोग करके कोरोना वायरस मामलों में वृद्धि का पूर्वानुमान लगाने के लिए समिति का गठन किया था। समिति को कोविड की दूसरी लहर की सटीक प्रकृति का अनुमान नहीं संभावना को कारक बनाया गया है, कुछ ऐसा जो दूसरी लहर के मॉडलिंग के दौरान नहीं किया गया था। उन्होंने कहा, ''हमने तीन परिदृश्य बनाए हैं। एक 'आशावादी

लगाने के लिए भी आलोचना का सामना करना पड़ा था। तीन सदस्यीय समिति में शामिल अग्रवाल ने कहा कि तीसरी लहर का अनुमान जताते समय प्रतिरक्षा की हानि, टीकाकरण के प्रभाव और एक अधिक खतरनाक स्वरूप की है। इसमें, हम मानते हैं कि अगस्त तक जीवन सामान्य हो जाता है, और कोई नया म्यूटेंट नहीं होता है। दूसरा 'मध्यवर्ती है। इसमें हम मानते हैं कि आशावादी परिदृश्य धारणाओं के अलावा टीकाकरण 20 प्रतिशत कम प्रभावी है।

बंगाल : चुनाव परिणामों की समीक्षा की मांग को लेकर बीजेपी के 8 नेता पहुंचे हाई कोर्ट, दोबारा मतगणना की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव परिणाम को लेकर भारतीय जनता पार्टी के 8 नेता कलकत्ता हाई कोर्ट पहुंच गए हैं। ये वो नेता हैं जिनको इस साल हुए विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। चुनाव हारे हुए इन नेताओं ने कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका दायर कर अपने.अपने निर्वाचन क्षेत्रों में वोटों की मांग की है। बीजेपी ने कल्याण चौबे ने कहा कि को याचिका सोमवार को सूचीबद्ध हुई है। कल्याण चौबे मानिकतला विधानसभा सीट पर दोबारा गिनती की मांग की है। इसके अलावा और भी कई नेता हैं जो अपनी हारी हुई सीट पर दोबारा मतगणना की मांग की है।

GSTIN : 09AAFTM3349D1ZK
PAN-AAFTM3349D
Reg. No.: 1/2014
मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट
Misqeen Sewa Sansthan Trust
(इण्डियन ट्रस्ट एक्ट 1882 केअन्तर्गत पंजीकृत)
श्रमिको, मजलूमों, गरीबों अनाथो के सेवा में तत्पर
फाउण्डर प्रबन्धकः अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे पत्रकार/ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव, प्रयागराज
कार्यालय : माण्डा वाली रोड, कोरांव-प्रयागराज,
निवास ग्राम-अल्हवा, देवघाट, कोरांव-प्रयागराज 212306
Mob.: 9450613192
E-mail: miskeenss2014@gmail.com, sahjadekoraon@gmail.com

प्रो. शैलेन्द्र कुमार
चन्दा टीवीएस
नगद एवं फाइनेन्स की सुविधा उपलब्ध है।
जारी बाजार, प्रयागराज मोः 9721116002

सूफी आशिक बाबा
सभी समस्याओं का निःशुल्क समाधान के लिए संपर्क करें।
नोट : खोए हुए व्यक्ति को हर हाल में मिलाना, ऊपरी बाधा से परेशान और उसका नि:शुल्क समाधान कराना, वैवाहिक जीवन में समस्त कष्टों को दूर कराना, जिन पुरुष व युवती की शादी में किसी प्रकार का कोई रुकावट आ रहा है तो, उसका भी समाधान किया जाता है सभी समस्याओं का समाधान समय से कर दिया जाता है 30 वर्षो का अनुभव प्राप्त।
पताः एडीए कॉलोनी, पुलिस चौकी के पास, नैनी, प्रयागराज
मोबाइल नंबरः 9793403230, 9335128224

साईं कृपा मेंस पार्लर
न्यू हेअर कट, हेअर स्ट्रेटिंग, हेअर पैंच/ विक, स्किन ट्रीटमेंट, हेअर स्पा, फायर कट मॉडेल मेकअप, नवरदेव मेकअपउ (पैंकेज)
पार्लर में काम करने के लिए अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है।
प्रो0 उमेश शर्मा
Mob.: 7860823593
पता त्रिवेणीपुरम निअर पानी की टंकी झूसी प्रयागराज

जिला पंचायत अध्यक्ष की जीत पर भाजपाइयों में खुशी की लहर

अखंड भारत संदेश

सहसों। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रयागराज के चुनाव में भाजपा की जीत से कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल और मिठाइयां बांटी गई। भारतीय जनता पार्टी गंगापार कार्यालय सहसों में मंडल सहसों के महामंत्री पवन कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में भाजपा प्रत्याशी डॉ वीके सिंह को इस जीत की खुशी में बधाई देते हुए कार्यकर्ताओं में एक दूसरे को मिठाई खिलाते हुए खुशी का इजहार किया।

मौके पर उपस्थित भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष गंगापार वीरेन्द्र बहादुर सिंह ने बधाई देते हुए कहा कि कड़ी शिकस्त देते हुए सपा के प्रत्याशी मालती यादव से 51 वोट पाकर डॉ वीके सिंह ने जीत हासिल की और जिला पंचायत अध्यक्ष प्रयागराज का ताज अपने सिर बांधे। उन्होंने कहा यह पार्टी की रीति नीति और विकास का परिणाम रहा। इस मौके पर सभी कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों ने आपस में एक दूसरे को बधाई देते हुए मिष्ठान भी वितरित किए और अपने प्रत्याशी की जीत की खुशी मनाई।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अनिल सरोज, जिला उपाध्यक्ष अनिरुद्ध पटेल, पूर्व मंडल अध्यक्ष जय प्रकाश द्विवेदी राज धर द्विवेदी, लालचंद गुप्ता, अनिल पटेल, जिला मीडिया प्रभारी बृजेश कुमार त्रिपाठी, शिव नारायण सिंह गप्पू, पुष्कर सिंह, दया सिंह, जितेंद्र सिंह, मंडल महामंत्री संजय सिंह, विमल कुमार सिंह, प्रहलाद मोदनवाल, सत्यम त्रिपाठी उर्फ वीके, आलोक कुमार सिंह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉ वीके सिंह की जीत पर भाजपाइयों ने एक दूसरे को दी बधाई

अखंड भारत संदेश

भडेवरा/करछना। भारतीय जनता पार्टी मंडल भडे़वरा के अध्यक्ष प्रदीप पांडेय ने डॉ वीके सिंह की जीत पर बधाई देते हुए कहा यह लोकतंत्र की जीत है उन्होंने कार्यकर्ताओं का मुंह भी मीठा कराया तथा मंडल में जगह-जगह खुशी के पटाखे भी फोड़े गए ।इस दौरान भाजपा नेता विष्णु शुक्ला ,महामंत्री राम मनोहर लोहिया , युवा भाजपा नेता शिवम् पाण्डेय , रामबाबू पटेल राजेश पांडेय ,शिशिन सिंह , प्रकाश नारायण द्विवेदी, शिवेंद्र पांडे ,अंकित शर्मा, रवि शंकर तिवारी ,राम पूजन यादव, आलोक शुक्ला ,सुरेश सिंह ,मनोज शुक्ला, भोले राजाराम चौधरी, आदि ने एक दूसरे को बधाई दी

भाजपा प्रत्याशी की जीत पर व्यापार मण्डल ने दी बधाई

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज विधानसभा मेजा में मेजारोड में व्यापारियो की बैठक में कहा गया डाक्टर वीके सिंह एक ईमानदार व निर्भीक समाजसेवी हैं। भाजपा ने सही समय पर सही व्यक्ति का चुनाव कर मैदान में उतारा था। उक्त बातें वरिष्ठ समाजसेवी व व्यापार मंडल मेजारोड के संरक्षक ईंजीनियर नित्यानंद उपाध्याय ने कही। आगे कहा कि डाक्टर वीके सिंह के नाम की घोषणा के समय से ही लग रहा था कि भाजपा के इस सीट को बरकरार रखने में सफल होंगे।शनिवार को जिला पंचायत के चुनाव में कुंवर वीके सिंह की ऐतिहसिक जीत पर मेजारोड स्थित मानस वाटिका में व्यापार मंडल के संरक्षक ईंजीनियर नित्यानंद उपाध्याय की अध्यक्षता में बैठक के माध्यम से बधाई दी गई। बैठक में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी सिद्धात तिवारी ने कहा कि डाक्टर साहब की जीत भाजपा संगठन की जीत है। उक्त अवसर पर उपस्थित मनीष उपाध्याय, गुलाब शुक्ला, गुरू ओझा, पंकज तिवारी,सुनील शुक्ला, धीरू शुक्ला सहित आदि लोग ने बधाई दी।

वन महोत्सव पर क्षेत्रीय निदेशक ने किया पौधारोपण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। वन महोत्सव के मौके पर नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज द्वारा शनिवार को संगम तट समीप पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नेहरू युवा केंद्र संगठन के क्षेत्रीय निदेशक नंद कुमार सिंह ने हनुमान मंदिर के पंडित सूरज पांडेय के मंत्रोच्चार के साथ मंदिर परिसर में हरिशंकरी रोपित किया। कार्यक्रम का आयोजन जिला युवा अधिकारी जागृति पांडेय के निर्देशन में आयोजित किया गया त् मौके पर क्षेत्रीय निदेशक ने कहा पीपल, पाकड़, बरगद, नीम इत्यादि पौधों को हमें अपने आसपास अधिक से अधिक अवश्य लगाना है , क्योंकि ये वृक्ष हमें प्रचुर मात्रा में ऑक्सीजन प्रदान करते हैंत् इसी क्रम में जिला युवा अधिकारी ने यह कहा कि इन वृक्षों का धार्मिक महत्त्व भी है इसलिए हमें ऐसे वृक्षों को पूरी आस्था से रोपित करने के साथ साथ इनका बचाव भी करना चाहिए।

जिला परियोजना अधिकारी नमामि गंगे एषा सिंह ने बताया की वृक्ष लगाने का सबसे महत्वपूर्ण लाभ यह है कि वे वातावरण से हानिकारक गैसों को अवशोषित करते हैं। जिससे वातावरण को ताजगी मिलती है वायु प्रदूषण नियंत्रित होता है और जल कटान को रोकने में मदद करते हैं त् राज्य परियोजना सहायक अजीत कुशवाहा ने कहा यही समय है जब हम पेड़ों के रोपण के महत्व में जितना हो सके उतना योगदान करने की कोशिश करें साथ ही वृक्षों की देख रेख भी करें। इस कार्यक्रम में नेहरू युवा केंद्र के राज्य प्रशिक्षक चंद्र मणि मिश्रा, महेश द्विवेदी की भी सहभागिता रही और नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज के स्वयंसेवक शिखा, नेहा , रवि, अभय तथा सचिन गोस्वामी मौजूद रहे।

ग्राम सभा टिकरी के प्रधान ने चलाया वृक्षारोपण जागरूक अभियान

अखंड भारत संदेश

बहरिया। बहरिया ब्लाक के टिकरी ग्राम सभा के प्रधान पति संजय कुमार यादव उर्फ बब्बू व ग्राम विकास अधिकारी सुशील तिवारी ने वृक्षारोपण किया तथा ग्रामीण लोगों को वृक्षारोपण के प्रोत्साहित किया।

ग्राम विकास अधिकारी सुशील तिवारी ने लोगों को पर्यावरण के बारे महत्वपूर्ण जानकारी भी दिया।उन्होंने वहां उपस्थित ग्रामीण लोगों से अधिक संख्या पेड़ लगाने की अपील की।प्रधानपति बब्बू यादव ने ग्रामीण लोगों को पेड़ पौधों के महत्व को बताते हुए पौधों का भी वितरण किए।इस वृक्षारोपण जागरूक अभियान में ग्राम विकास अधिकारी सुशील तिवारी व ग्राम प्रधान और सैकड़ों की संख्या ग्रामीण लोग उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता अशोक गुप्ता का भव्य अभिनंदन

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/ प्रयागराज। अधीक्षण अभियंता पद से सेवानिवृत्त अशोक कुमार गुप्ता का जीवन युवा पीढ़ी के लिए आदर्श है,यह बातें समाजसेवी सूर्यनिधान पांडेय ने नगर पंचायत शंकरगढ़ के आर्य रामवाटिका में आयोजित स्वागत सम्मान समारोह में कही। सेवानिवृत्ति के पश्चात अपने पैतृक स्थल पहुंचे अशोक कुमार गुप्ता का जोरदार स्वागतकर अभिनंदन किया गया।क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी सूर्यनिधान पांडेय ने कहा कि अशोक कुमार गुप्ता के परिवार की तीन पीढ़ी का समाज सेवा में योगदान है। अशोक कुमार ने सेवा में रहते हुए समाज से जुड़े रहकर समय-समय पर युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन किया। लोगों को इनसे सीख लेने की जरूरत है। पंडित त्रियुगीकांत मिश्र ने संस्कृत का श्लोक पढ़कर अशोक कुमार गुप्ता का स्वागत किया। इस दौरान कस्बे के तमाम लोगों ने माल्यार्पण कर अशोक कुमार गुप्ता को बुके और स्मृतिचिन्ह देकर स्वागत किया।

अंत में अधीक्षण अभियंता पद से सेवानिवृत्त अशोक कुमार गुप्ता ने शुरुआती शिक्षा से लेकर आखिरी पड़ाव तक के सफर पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस मौके पर तहसीलदार मेजा डा. विशाल शर्मा, एसओ कुलदीप कुमार तिवारी, सीएचसी अधीक्षक डा. शैलेंद्र सिंह, डा. अभिषेक सिंह, डा. अनूप सिंह, गोपाल दास गुप्ता, सतीश गुप्ता,सैय्यद अवसाफ अली, सभासद सुधा गुप्ता, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष अनूप केसरवानी,रोहित केसरवानी, सतीश कुमार विश्वकर्मा, रामखेलावन गुप्ता, चतुर्भुज दास गुप्ता,हास्यकवि ठाकुर इलाहाबादी, जादूगर हेमराज, व्यापार मंडल अध्यक्ष मूलचंद्र गुप्ता, महामंत्री रतन केसरवानी, जय केसरवानी,गंगा प्रसाद,रामानुज गुप्ता,सनद मिश्र, मान बहादुर सिंह,राकेश कुमार,आलोक केसरवानी,पंकज केसरवानी, मोहित केसरवानी, अविरल,कपिल केसरवानी, अनुपम, अनमोल केसरवानी, मंजुला गुप्ता, सुमन, कुसुम गुप्ता, किरन गुप्ता, अग्रिमा, आयुष, उत्कर्ष, सौम्या, शुभम, जूही, सौम्या, देवांशु, शांतनु, वीवान आदि मौजूद रहे।मंच का ओजपूर्ण संचालन कवि सुरेश कुमार (ओम शांति) ने किया।

चमत्कारी बकरा से लोग हैरत में

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। सोरांव तहसील के अंतर्गत मऊआइमा थाना क्षेत्र के सरायराजोत घुरिपुर प्रयागराज में राम सुमेर सरोज के चमत्कारी बकरे के पीठ पर अल्हा मोहम्मद चिन्ह ने आस पास के लोगों को हैरत में डाल दिया है।जिससे गांव में एक चर्चा का विषय बना हुआ है।बकरा मालिक के पूछने पर उन्होंने बताया कि यह बकरा 16 माह ,वजन 20 किलोग्राम काले रंग है। लेकिन बकरे के पीठ पर अल्हा मोहम्मद का बना सफेद चिन्ह लोगों के लिए असमंजस का विषय बना हुआ है। वहां कुछ लोग देखने तथा बकरे की भारी संख्या में बोली लगाने में जुटे हुए हैं।

शराबियो और गजेडियो का जमावडा,ग्रामीण परेशान

अखंड भारत संदेश

करछना। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गंधियांव में दलित बस्ती बधवा मे पिछले कई माह से सुबह शाम अराजक तत्वों और गंजेड़ियो का जमघट लगा रहता है और वे वहां अनेक अवांछित कार्यों की योजना भी बनाते रहते हैं कई बार स्थानीय समाचार पत्रों और शासन प्रशासन तक यह बात पहुंचाई गई लेकिन उनकी संख्या घटने के बजाय बढ़ती जा रही है कभी बाइक से कोई झुंड आकर घंटों वहां चिलम फूंकता है और कभी कोई बोतल खोल कर महफ़िल जमाए रहता है लेकिन इधर ना तो कोई गश्ती पुलिस निकलती है ना कभी गंजेड़ियो शराबियों पर कोई असर पड़ता है मना करने पर वह लड़ाई झगड़े पर आमादा हो जाते हैं अपराधी प्रवृत्ति के लोगों का जमावड़ा पचदेवरा रेलवे क्रॉसिंग के पास दक्षिण साइड में निर्माणाधीन केबिन के पास भी लगा रहता है स्थानीय पुलिस से इस और ध्यान देकर इस पर प्रतिबंध लगाने की मांग ग्रामीणों ने की है बताते है कि इसमें दलित बस्ती के भी कुछ अराजक तत्व शामिल रहते हैं जिससे बाहरी लोगों का मन बढ़ा रहता है।

बाजीराव खाड़े के स्वागत मे जुटे कांग्रेसी

अखंड भारत संदेश

करछना। कांग्रेसी के संबोधित करते हुए बाजी राव खाड़े ने कहा कि कार्यकर्ता संगठन मजबूती के लिए जूट जाए। कार्यकर्ता ही पार्टी रीढ़ है। मौजूदा भाजपा सरकार महंगाई रोकने में पुरी तरह से नाकाम रही है जनता भय व भूख से त्राहि त्राहि कर रही है। सरकार के लोग सरकार में बैठे लोग जनता की आवाज को दबाना चाहते है जो सरासर संविधान के खिलाफ है।राष्ट्रीय सचिव बाजी राव खाड़े व प्रदेश सचिन वासिम अंसारी के स्वागत में सर्व श्री जिलाध्यक्ष अरूण तिवारी,रंगराज सिह, डॉ0 दिनेश कुमार सोनी, नागेश पाण्डेय, आशीष मिश्रा, प्रकाश पाण्डेय, अंकित पाण्डेय,भाई लाल पटेल, विद्याधर मिश्र, पवनेश सोनी,पदवेन्द्र झा,राजा बाबू, संजय शुक्ल इत्यादि लोग मौजूद रहे।

करछना मे पर्यावरण को बचाने का लिया सकल्प किया गया वृक्षारोपण

अखंड भारत संदेश

करछना। शनिवार को करछना मे पर्यावरण को सरक्षित करने के लिए ग्राम पचायत की ओर से वृहद वृक्षारोपण कराया गया प्रधान प्रतिनिधि अवतार किशन सिह ने पर्यावरण को सरक्षित करने की मुहिम के तहत ग्राम सभा को ओर से पीपल,सागौन.आम अमरूद और कई प्रजाति के पौधो का ग्राम वासियो को देते हुए पर्यावरण को सरक्षित करने का सकल्प दिलाया वही बडे पैमाने पर सर्वजनिक स्थानो और ग्राम सभा की जमीन पर छायादार वृक्ष को रोपण किया गया।

बनारस से कानपुर जा रही आर्टिका बनकट गांव के समीप खाई में जा पलटी

अखंड भारत संदेश

थरवई। थरवई थाना क्षेत्र के अंतर्गत बनकट गांव के समीप समय लगभग 7.00 बजे सुबह अनियंत्रित होकर आर्टिका ळइ,62.ए,2027 खाई में जा पलटी जिसमें बैठे हुए एक ही परिवार के 7 सदस्य गंभीर चोट खाकर बाल बाल बचे चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आनन-फानन में गाड़ी से बाहर निकाल कर एक निजी वाहन से सोरांव प्राइवेट अस्पताल में उपचार कराने के लिए भेज दिया गया।

घर और दुकान में आग लगने से लाखों का नुकसान

अखंड भारत संदेश

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के नई बाजार मोहल्ले में बीती देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में एक दुकान और घर में आग लगने से हड़कंप मच गया। घंटों कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक लाखों रुपए के उपकरण व खाद्य सामग्री जलकर राख हो चुके थे। जानकारी के मुताबिक नैनी कोतवाली क्षेत्र के नई बाजार निवासी प्रेम केसरवानी घर के अगले हिस्से में किराने की दुकान चलाते हैं। शुक्रवार को उनकी पुत्री का विवाह कोतवाली रोड स्थित मयूर गार्डन में आयोजित होने की वजह से परिवार मकान और दुकान में ताला बंद कर शादी समारोह को संपनन्कराने में जुटे हुए थे। देर रात बाद लगभग 2:00 बजे अचानक किराने की दुकान से धुआं निकलते देख आसपास के रहने वालों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग विकराल रूप धारण कर ली और दुकान के अलावा मकान भी जलने लगा।

धूमधाम से मनाया गया सांसद बांदा का जन्मदिन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जारी क्षेत्र में शनिवार को पूर्व सदस्य जिला पंचायत प्रयागराज और सांसद प्रतिनिधि प्रतापगढ़ सुधीर कुमार साहू बउआ के जारी आवास पर सांसद बांदा चित्रकूट श्री आर के सिंह पटेल जी का जन्मदिन अपने सभी शुभचिंतकों के साथ धूमधाम से केक काटकर मनाया गया।।जन्मदिन उत्सव कार्यक्रम में सुधीर कुमार साहू बउआ के आवास पर कमलेश मिश्रा गड़ैया, बजरंग बहादुर सिंह,मोहम्मद तैयब,मोहित यादव,घनश्याम चौधरी, नीरज श्रीवास्तव, सुबोध साहू,सुभाष,राजीव,गोलू,सूरज, मंगला,देवआर्यन,अभिनव, अविरल,प्रकाश शुक्ल प्रचण्ड, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित हो जन्मदिन की बधाई दिए।

शंकरगढ़ पुलिस की गिरफ्त में आए तीन पशु तस्कर

14 मवेशियों के साथ नारीबारी चौराहे पर की गिरफ्तारी

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। मवेशियों की तस्करी करने वालों के खिलाफ चलाए जारहे अभियान के क्रम में शनिवार को शंकरगढ़ पुलिस ने तीन पशु तस्कर गिरफ्तार किए हैं। पुलिस ने एक डीसीएम से 14 मवेशियों को भी बरामद किया है। इसमें एक भैंस के अलावा शेष गोवंश के मवेशी हैं। बरामद मवेशियों को स्थानीय गौ संरक्षण स्थल पर भेज दिया गया है।मवेशियों की यह बरामदगी यमुनापार के शंकरगढ़ थाने की पुलिस ने की है।

एसओ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि वह अपनी टीम के साथ नारीबारी चौराहे पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान पशु तस्करों के संबंध में सूचना प्राप्त हुई। इस पर पूरी पुलिस टीम एलर्ट हो गई। थोड़ी ही देर में प्रयागराज की तरफ से एक डीसीएम आता दिखा। इस पर पहले से मुस्तैद पुलिस ने डीसीएम (यूपी71-टी-7261) को रोकने की कोशिश की गई, लेकिन चालक ने रफ्तार बढ़ाई, पर पहले से ही मुस्तैद पुलिस ने पशु तस्करों को घेर लिया। तलाशी के दौरान डीसीएम से आठ गाय, एक भैंस, दो बछिया, दो बछवा और एक पड़वा बरामद हुआ। इसके अलावा डीसीएम से तीन पशु तस्कर गिरफ्तार किए गए।

एसओ ने बताया कि गिरफ्त में आए पशु तस्कर गुलबहार पुत्र हमीद खान (पंवरी, पड़ाव,जसरा, घूरपुर), सोनू पुत्र इंसाफ (गनन्े, बारा) और मकबूल पुत्र चुनोवार (गौहनिया, घूरपुर)के खिलाफ सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर चालान कर दिया गया है। इस गिरफ्तारी में एसआई ऋतुराज सिंह, हेड कांस्टेबल धनंजय त्रिपाठी, अनिल चौबे, कांस्टेबल मनीष कश्यप, आलोक पटेल आदि शामिल रहे।

परिजन से नाराज होकर युवती ने यमुना में लगाई छलांग

अखंड भारत संदेश

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के उत्तरी लोकपुर स्थित कर्बला की रहने वाली एक 20 वर्षीय युवती शहना बानो पुत्री इम्तियाज शनिवार को परिजनों कि किसी बात से नाराज होकर दोपहर बाद चुपचाप घर से निकल गई और वह नए यमुना ब्रिज पर पहुंची। कुछ देर तक वह सड़क के किनारे इधर-उधर घूमती रही। अचानक वह रेलिंग पर चढ़कर यमुना नदी में छलांग लगा दी। नीचे मौजूद नाविकों ने आनन-फानन में डूब रही युवती को बचाते हुए पानी से बाहर निकाल लिए। तब तक सूचना मिलने पर पुलिस के साथ ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है।

नगर पंचायत शंकरगढ़ प्रशासन ने की स्वच्छता की अपील

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। संचारी रोगों पर रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में शनिवार को नगर पंचायत शंकरगढ़ द्वारा नगर के कई मोहल्लों में जागरुकता गोष्ठी का आयोजन किया गया।

नगर पंचायत शंकरगढ़ के वार्ड एक, दो, चार, पांच, छह और वार्ड संख्या आठ में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छ भारत मिशन की जिला समन्वयक नेहा कपूर ने लोगों को साफ-सफाई से होने वाले फायदे गिनाए।

और, घर के साथ-साथ आसपास का वातावरण भी साफ-सुथरा रखने की अपील की।इस दौरान विभिन्न्स्थलों पर मास्क का भी वितरण किया गया और लोगों से कोविड प्रोटोकाल का पालन करने की अपील की गई।

कार्यक्रम में नगर पंचायत शंकरगढ़ के ईओ सत्येंद्र प्रकाश, चेयरमैन लल्लू कनौजिया, लिपिक प्रदीप कुमार, अखिलेश दिवेदी, रफीक अहमद, मनीष कुमार, विनोद शुक्ला, कौशल कुमार, गया प्रसाद, दीपू शुक्ला आदि मौजूद रहे।

गहमागहमी के बीच भाजपा प्रत्याशी वीके सिंह ने मारी बाजी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में भाजपा के वीके सिंह की जीत हुई। 84 मतों में भाजपा के वीके सिंह को 51 मत मिले, जबकि सपा की मालती देवी को 33 मत मिले। चुनाव परिणाम आने के तत्काल बाद सपा सदस्यों ने भाजपा व प्रशासन पर आरोप लगाया।

विरोध-प्रदर्शन के दौरान सपाइयों और पुलिस के बीच झड़प हुई, जिसके बाद लाठी चार्ज की नौबत आ गई। जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए मतदान शनिवार सुबह 11 बजे पंचायत भवन में शुरू हुआ। पर्यवेक्षक अनिल कुमार, जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री और डीआईजी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी पूरे दिन पंचायत भवन में मौजूद रहे। सुबह 11:30 बजे तक महज एक ही सदस्य ने वोट किया था। दोपहर 12 बजे के करीब सपा के एमएलसी डॉ. मान सिंह 39 सदस्यों को साथ लेकर पंचायत भवन पहुंचे। उन्होंने उस वक्त दावा कि 10 और सदस्य

भाजपा से वीके सिंह बने जिला पंचायत अध्यक्ष

पीछे आ रहे हैं। इसके कुछ देर बाद भाजपा नेता रेखा सिंह अपने साथ 12 सदस्यों को लेकर पहुंचीं, जिसमें पांच महिलाएं थीं। इस बीच इक्का-दुक्का मतदान चलता रहा। अंदर के माहौल की जानकारी न मिलने के कारण कचहरी के करीब बैरिकेडिंग के दूसरे छोर पर सपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश बढ़ने लगा। उन्होंने सपा एमएलसी डॉ. मान सिंह व जिलाध्यक्ष योगेश चंद्र को अंदर भेजने के लिए पुलिस पर दबाव बनाया। आरोप लगाया कि भाजपा अपने वोटरों के मास्क में चिप लगाए हुए हैं, जिससे मतदान की पूरी प्रक्रिया मालूम चल रही है। इसकी शिकायत सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से की गई। सपा नेताओं ने निर्वाचन आयोग को भी शिकायत करने की बात कही। बैरिकेडिंग तोड़कर अंदर प्रवेश के चक्कर में पुलिस से झड़प हुई। इस पर पुलिस को लाठी चार्ज करना पड़ा। जिला निर्वाचन कार्यालय के अफसरों ने बताया कि दोपहर तीन बजे तक सभी 84 सदस्यों ने मतदान कर दिया था। दोपहर तीन बजे के बाद मतगणना शुरू हुई। लगभग सवा घंटे मतगणना के बाद भाजपा प्रत्याशी वीके सिंह को विजेता घोषित किया गया। उन्होंने मालती देवी को 18 मतों से पराजित किया।

विधानसभा शहर पश्चिमी में 30-35 सालों की खाई पटाने का प्रयास किया हूँ : सिद्धार्थ नाथ सिंह

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कैबिनेट मंत्री मा0 सिद्धार्थ नाथ सिंह ने भगवतपुर में निर्माणाधीन सौ बेड का अस्पताल का निरीक्षण किया,गुणवत्ता और कार्य को देखा तथा सम्बंधित अधिकारियों को कुछ सुझाव दिया और कहा निर्माण की गति में तेजी लाए,जल्द से जल्द जुलाई माह के अंतिम सप्ताह या अगस्त में ओपीडी का शुभारंभ अवश्य हो जाय। इससे पहले सीएमओ प्रयागराज डॉ प्रभाकर राय के साथ प्रयागराज में कोविंड के तीसरे लहर को लेकर तैयारियों पर समीक्षा हुई साथ ही ग्रामीण इलाकों में सीएचसी और पीएचसी में वर्तमान स्थिति लेकर चर्चा हुई।भगवतपुर में बन रहे सौ बेड अत्याधुनिक अस्पताल की तैयारियों को लेकर मंथन हुई।सीएमओ प्रयागराज से कहा जहाँ पर ऑक्सीजन के प्लान्ट का निर्माण प्रस्तावित है या बन रहे है उन्हें शीध्र से शीध्र समयबद्ध में बनकर कर तैयार की मॉनिटरिंग करते रहे।धीमे ठीकेदार या एजेंसी पर कड़ी निगाह रखकर कार्य की गति बढ़ाए।

भाजपा सेक्टर संयोजकों विपिन साहू धुस्सा, दरियांव सिंह चौहान देवघाट,संजय केसरवानी पीपल गांव,संजय प्रजापति कटहुला गौसपुर,रामानंद प्रजापति असरावल कला, राममिलन प्रजापति गांजा के घर पहुँच कर उपस्थित जनसमूह के साथ संवाद किया उनकी समस्याओं से रूबरू हुए और हर समस्याओं का समाधान है कटहुला गौसपुर जाते समय पानी की निकासी और रास्ता सही न होने पर नगर निगम अधिकारियों पर गहरी नाराजगी जताई और कहा एक माह के अंदर मार्ग सुगम बन जाए मैं स्वयं निरीक्षण करूंगा।विधानसभा शहर पश्चिमी में 30-35 सालों की खाई पटाने का प्रयास किया हूँ उसी में डेढ़ साल सबसे कठिन दौर कोविंड का था जिससे जो गति बनी थी उसमें धीमा हुआ है।लेकिन विकास की पहचान बना दिया हूँ जहाँ लोगों का भूमाफियाओं और अराजकता एवं वसूली से जीवन संकट ग्रस्त था आम आदमी का जीना मुहाल था उससे तो निजात दिलाने में जनता के आशीर्वाद से संभव हुआ है।चौपटका से एयरपोर्ट फ्लाई ओवर बनते ही झलवा पीपलगांव नया सिविल लाइंस होगा जो विकास के साथ रोजगार तथा व्यापार को नया आयाम स्थापित होंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव में भाजपा को प्रदेश में 67 सीट तथा सहयोगी दल को दो सीट के साथ 75 में से 69 सीट मिलने पर समाजवादी पार्टी को जनता ने नकार दिया और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में लोकतंत्र की रक्षा हुई साथ ही लोगों का लोकतंत्र में विश्वास बढ़ा है।प्रयागराज में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वी के सिंह की जीत से प्रयागराज में विकास का स्तम्भ मजबूत हुआ।समाजवादी पार्टी ने सेमीफाइनल बताया था तो 2022 के फाइनल की दौड़ में बाहर हो गए।

कुरैशी समाज को सपा ने छला : शाहनवाज़ आलम

बकरीद पर स्लाटर हाउस खोलने के लिए अल्पसंख्यक कांग्रेस करेगी आंदोलन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अल्पसंख्यक कांग्रेस प्रदेश चेयरमैन शाहनवाज़ आलम ने कल देर शाम अटाला इलाके में कुरैशी समाज के लोगों से मुलाक़ात कर उनके मुद्दों पर संघर्ष करने का वादा किया। मीडिया को संबोधित करते हुए शाहनवाज़ आलम ने कहा कि योगी सरकार में सांप्रदायिक द्वेष के कारण कुरैशी समाज के लोगों को फ़र्ज़ी मुकदमों में फंसाया जा रहा है. वहीं स्लाटर हाउस बन्द करा कर इस समाज के लोगों की आजीविका पर भी हमला किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर कांग्रेस सड़क पर संघर्ष करेगी।

शाहनवाज़ आलम ने कहा कि पिछली सपा सरकार में कानपुर से ले कर हापुड़ तक टेनेरियों को बन्द कर के कुरैशी समाज के पेट पर लात मारा गया था. समाजवादी पार्टी कुरैशी बिरादरी के वोट और नोट से खड़ी हुई लेकिन कुरैशी समाज को पिछड़ा वर्ग में आने के बावजूद सपा ने कभी भी नौकरियों में भर्ती नहीं दी. उन्होंने कहा कि कुरैशी समाज 40 विधान सभा सीटों को प्रभावित करता है लेकिन सपा ने उनमें नेता नहीं पैदा होने दिया जबकि क़ुरैशी समाज अखिलेश यादव के सजातीय बिरादरी से ज़्यादा संख्या में है। शाहनवाज़ आलम ने कहा कि अल्पसंख्यक कांग्रेस ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी जी के निर्देश पर 24 जून को हर ज़िले से राज्यपाल को ज्ञापन भेज कर कुरैशी समाज के मुद्दों को उठाया था. उन्होंने कहा कि बकरीद में स्लाटर हाउस खोलने और छोटे दुकानदारों को बूचर खाना खोलने की माँग को ले कर अल्पसंख्यक कांग्रेस आंदोलन करेगी।

ज़िला पंचायत अध्यक्ष चुनाव

भाजपा सरकार के इशारे पर पुलिस की लाठी चार्ज मे दर्जनों सपा कार्यकर्ता हुए घायल : मो. अस्कारी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। ज़िला पंचायत चुनाव के नतीजे की घोषणा से पूर्व ही भाजपा के इशारे पर पुलिस प्रशासन ने सपाइयों को तीतर बितर करने की रणनीति पर काम करते हुए लाठी चार्ज कर अपने प्रत्याशी के जीत की घोषणा कर दी।

सपा महानगर प्रवक्ता सै0मो0अस्करी ने तानाशाही पूर्ण भाजपा के नेताओं के इशारे पर हुए लाठी चार्ज कि घोर निन्दा की।लाठी चार्ज मे जहा कम उम्र के अजय भारतीय को गम्भीर चोटें आईं और वह बेहोश हो कर सड़क पर पड़ रहा वहीं युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष संदीप यादव के सर व पैर मे गम्भीर चोट आई।विनोद यादव व अमित यादव के पैर व हाँथ पुलिस की लाठी से ज़ख्मी हो गए।पासी समाज के प्रदेश के नेता रजनीश भारतीया के सर मे व पैर मे चोट आई जिनका सिटी स्कैन के लिए भेजा गया।वहीं अरुण यादव भी पुलिसया लाठी से घायल।

महानगर प्रवक्ता सै0 मो0 अस्करी के अनुसार सभी घायलों को प्रीती हास्पिटल ले जाया गया।वही अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।ज़िलाध्यक्ष योगेश चन्द्र यादव,महानगर अध्यक्ष सै0 इफ़्तेखार हुसैन,एमएलसी डॉ मान सिंह यादव,पंधारी यादव,रामानन्द भारतीय,रवीन्द्र यादव, ओ पी यादव,राम मिलन यादव,संदीप पटेल, दान बहादुर मधुर,तारिक सईद अज्जू, महावीर यादव, नाटे चौधरी, पूर्व प्रमुख सन्दीप यादव,अनिता श्रीवास्तव, मंजू यादव,मंजू पाठक,पूजा मिश्रा,निशा शुक्ला,सैफ फरीदी,नेम यादव,रमीज़ अहसन,शहनवाज़ अहमद, मो0हमज़ा,अब्दुल अहद समेत भारी संख्या मे सपाई प्रीति हास्पिटल मे घायलों का हाल चाल लेने व समुचित इलाज की व्यवस्था कराने को डटे रहे।सपा नेताओं ने पुलिसया लाठी चार्ज के दम पर पंचायत अध्यक्षी पर क़बज़ा करने का आरोप लगाया।कहा प्रशासन से पहले ही धांधली होने की शिकायत की गई थी लेकिन प्रशासन पुरी तरहा भाजपा के मन माफिक़ कार्य करते हुए सपाइ्यों पर लाठी चार्ज कर अपना अध्यक्ष बनाने मे सफल रहा।

इंदिरा भवन परिसर से कूड़ा न उठाने का जनता दल(सेक्युलर)ने किया विरोध,नगर आयुक्त से की गई शिकायत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नगर निगम व ठेकेदार द्वारा इंदिरा भवन परिसर में व्याप्त दो सप्ताह से कूड़ा करकट न उठाने पर जनता दल (सेक्युलर) के जिलाध्यक्ष मोद इरशाद ने जमकर विरोध किया, नगर निगम सफाई निरीक्षक व ठेकेदार से कई बार शिकायत करने पर कूड़ा उठाना तो दूर कान में जू तक नहीं रेंगी,जेडीएस नेता ने नगर आयुक्त से बताया कि कोरोना काल में गंदगी से संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है।

वही इंदिरा भवन परिसर में दो सप्ताह से कूड़ा नही उठाया जा रहा है तथा नगर निगम द्वारा अनदेखी किया जा रहा है वही दूसरी ओर माद मुख्यमंत्री द्वारा कोरोना काल में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है वार्ड नं 10 सिविल लाइंस में नगर निगम सुपरवाइजर द्वारा माद मुख्यमंत्री जी की छवि धूमिल की जा रही है। यदि तत्काल इंदिरा भवन परिसर से कूड़ा करकट नही उठाया गया तो आगामी 08-07-2021 को जनता दल (सेक्युलर) के बैनर तले नगर आयुक्त नगर निगम के कार्यालय में ताला जड़ने को बाध्य होंगे, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी नगर निगम की होगी।

जो भारतीय जनता पार्टी के लिए जश्न का विषय है वह जनतंत्र के मानने वालों के लिए मातम का दिन है : डॉ ऋचा सिंह

प्रयागराज। जिस तरह से सरेआम बर्बरता पूर्वक भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने जनतंत्र की हत्या की है जिस तरह समाजवादी कार्यकर्ताओं को अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के लिए उनको प्रताडि़त किया है उनके ऊपर लाठियां बरसाई हैं, जनता सब देख रही है यह जीत का बुलबुला आगे आने वाले 6 महीनों मे न सिर्फ फूट जाएगा बल्कि भारतीय जनता पार्टी का ज़मीनी हकीकत से भी सामना हो जायेगा। आश्चर्यजनक बात है जो भारतीय जनता पार्टी जिला पंचायत सदस्यों के चुनाव में बुरी तरह हार गई वही जिला पंचायत अध्यक्ष जीतना चाहते हैं किसी भी तरह सत्ता के दुरपयोग से। यह जनतंत्र की सिर्फ हत्या ही नहीं उसका खुलेआम मजाक भी है।

सपा के हाई वोल्टेज ड्रामा का हुआ समापन, समझते थे अपने को नायक निकले खलनायक : सांसद केशरी देवा

प्रयागराज। फूलपुर सांसद श्रीमती केशरी देवी पटेल ने सपा द्वारा नामांकन निकले के दिन से मतदान के दिन तक लगातार भारतीय जनता पार्टी के प्रति अनर्गल प्रलाप किया जिसका परिणाम आज जिला पंचायत सदस्यों ने भारी मतदान कर भारतीय जनता पार्टी को जीत दिलाई।

उन्होंने राज्यसभा सदस्य रेवती रमण सिंह द्वारा लिखी गई विरोध की स्क्रिप्ट पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि सपा का हाई वोल्टेज ड्रामा पूर्व नियोजित था जिसमें अपने को नायक समझने वाले रेवती रमण सिंह खलनायक की भूमिका में दिखाई देंगे।

यूपी सिपाही भर्ती परीक्षा 2018 में हाई कोर्ट ने चरित्र सत्यापन पर संबंधित प्रधिकारी को दिये निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। यूपी सिपाही भर्ती परीक्षा 2018 में हाई कोर्ट ने चरित्र सत्यापन पर संबंधित प्रधिकारी को दिये निर्देश। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोननति बोर्ड , लखनऊ द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पोलिस एवं आरक्षी प्रादेशिक आर्म्ड कांस्टेबुलरी के पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा में पोलिस ने याची अजय कुमार खिलाफ गंभीर धाराओ में दर्ज मुकदमे को देखते हुए अंतिम योग्यता सूची में स्थान प्राप्त करने के बाबजूद नियुक्ति देने से इनकार कर दिया था।

याची के अधिवक्ता गोपाल जी खरे ने बहस करते हुए कहा कि उसने पूरी ईमानदारी से अपने खिलाफ लंबित आपराधिक मुकदमे की जानकारी जरिये हलफ़नामा संबंधित अधिकारी को दी थी , एवं वह अवतार सिंह बनाम यूनियन आफ इंडिया व अन्य में माननीय सुप्रीम कोर्ट के द्वारा दिये गए दिशा निर्देश पर भरोसा करते हैं। मामले की सुनवाई करते हुए न्याय मूर्ति प्रकाश पाडिया दोनों पक्षों की सहमति से इस निर्देश के साथ याचिका को निस्तारित कि याची आदेश की तिथि से तीन हफ्ते के अंदर प्रत्यावेदन संबंधित प्रधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करी एवं संबंधित प्राधिकारी द्वारा उसपर 6 हफ्ते के अंदर अतिशीघ्र उचित आदेश पारित किआ जाए।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

औषधीय पौधों की खेती से किसान होगा खुशहाल : आर पी पाण्डेय

अखंड भारत संदेश

करछना। हमारा भारत देश कृषि प्रधान देश है, देश की आर्थिक प्रगति की धूरी भी कृषि के इर्द गिर्द घूमती है परन्तु इस देश का असली किसान जिसे सम्मानपूर्वक हम अनन्दाता कहते हैं हमेशा से दबा कुचला, गरीबी के बोझ तले दबा, हैं सभी तरह के अभाव के झंझावत से जूझते हुए उसका सारा जीवन कर्ज भरने में बीत जाता है या तो वह गरीबी और कर्ज से तंग होकर खुद ही फांसी के फंदे पर झूल जाता है उक्त बातें करछना के कबरा गांव में शेष दुर्गा।

कंपनी द्वारा आयोजित किसान गोष्ठी में शेष दुर्गा कंपनी के संयोजक आर पी पाण्डेय ने कहीं ।उन्हों कहा कि गत कई वर्षों से किसानों की इस दुर्दशा से मेरा मन आहत था, आखिर क्यों ना होता, मैं भी तो एक किसान हूं, अपने गांव व देश की माटी से जुड़ा हूं, यह वही माटी जिसे हम गाते हैं-- - ठ मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे मोतीठ और भारत देश को ठसोने की चिडि़याठ की संज्ञा भी इसी आधार पर दी गई है। मगर किसानों का ठवर्तमानठ पूर्व की कल्पना के बिल्कुल विपरीत है और इस परिस्थिति के लिए कुछ हद तक हमारा किसान भी जिम्मेदार है, मुझे याद है पहले किसान गोबर की खाद को सिर पर रखकर रोज सुबह अपने खेतों में डालता था जिससे शुद्ध जैविक अनाज व दूध

देने वाले पशुओं को शुद्ध हरा चारा मिलता था, उस जैविक अनाज व शुद्ध दूध, शुद्ध खुशबू वाल देशी घी खाकर हम सभी स्वस्थ्य व हिष्ट पुष्ट रहते थे, हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक छमता मजबूत होने के कारण गांव का किसान जल्दी बीमार नहीं होता था। समय परिवर्तन के साथ हमारा किसान भी आधुनिकता की चकाचौंध को आत्मसात करते हुए अपनी आय व उत्पादन बढ़ाने के लिए रासायनिक खाद व जहरीला कीटनाशक का प्रयोग शुरू कर दिया और अब हम सभी खुली आंखों से वही रासायनिक व जहरीला अनाज खा रहे हैं परिणामस्वरूप देश की 70ज्ञ् आबादी सुगर, ब्लड प्रेशर, व अन्य घातक जानलेवा बीमारियों का शिकार हो गई है।

आवश्यकता

महावीर कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन

डी0एल0एड0(बी0टी0सी0)

बी0एड0 संकाय

ई मेल- smctalld@gmail.com

विचार

सम्पादकीय

चीनी नेता के कड़वे बोल

सीपीसी के 100 साल पूरे होने के मौके पर शी चिन फिंग के भाषण के बाद जारी किए गए इसके आधिकारिक अंग्रेजी अनुवाद में मूल चीनी भाषा में की गई अभिव्यक्ति को संयत रूप में पेश करने की कोशिश नजर आई। इसमें खून-खराबा और सिर के टुकड़े होने की बात नहीं थी, सिर्फ दीवार से सिर टकराने का जिक्र था। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने इसी हफ्ते अपनी स्थापना के सौ साल पूरे किए। इस मौके पर पेइचिंग में भव्य समारोह आयोजित किया गया जो स्वाभाविक था। जो बात उतनी स्वाभाविक नहीं लगी, वह थी उस समारोह में चीन के सवीच्च नेता शी चिन फिंग के भाषण की आक्रामकता। चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि चीन किसी की धौंस बर्दाश्त करने वाला नहीं है और अगर किसी ने ऐसी कोशिश की तो उसका सिर 140 करोड़ लोगों की मजबूत दीवार से टकराकर टुकड़े-टुकड़े हो जाएगा और खून फैला नजर आएगा। दिलचस्प बात है कि इस भाषण के बाद जारी किए गए इसके आधिकारिक अंग्रेजी अनुवाद में मूल चीनी भाषा में की गई अभिव्यक्ति को संयत रूप में पेश करने की कोशिश नजर आई। इसमें खून-खराबा और सिर के टुकड़े होने की बात नहीं थी, सिर्फ दीवार से सिर टकराने का जिक्र था। इससे ऐसा लगता है कि चीनी इस्टैब्लिशमेंट भी यह उपयुक्त नहीं समझता कि भाषण के जरिए अपने देश के नागरिकों को दिया गया संदेश उसी रूप में विश्व बिरादरी के सामने जाए। वैसे चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के सौ साल पूरे होने का यह मौका ऐसा था नहीं, जिसमें ऐसी कड़वी बातें करने की कोई जरूरत हो। पार्टी ने स्थापना के तीन दशक के अंदर उस क्रांति को अंजाम दे दिया, जो उसका सबसे बड़ा सपना था।

बाद के सात दशकों में भी पार्टी के नेतृत्व में चीन ने विकास के कीर्तिमान रचे। आज वह दुनिया की इकलौती महाशक्ति का सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी बना हुआ है। ऐसी बड़ी उपलब्धियों के बीच पार्टी की सौवीं वर्षगांठ का यह मौका तो संतोष और सुकून के पल लाने वाला होना चाहिए था। ऐसे अवसर पर सवीच्च लीडर के मुंह से इस तरह के बयान यह सोचने को मजबूर करते हैं कि क्या सचमुच चीनी नेतृत्व खुद को उतनी सुविधाजनक स्थिति में महसूस नहीं करता, जितना वह दूर से नजर आता है? देखा जाए तो उसे असुविधानजक लगने वाली कई चीजें हैं भी। गलवान घाटी में भारत से हुई भिड़ंत की और चाहे जो भी व्याख्या की जाए, उसका एक पहलू तो यह है ही कि भारत ने जिस सहजता और पारदर्शिता से एक बार में ही अपने शहीद सैनिकों की संख्या बता दी, वह सहजता चीन सरकार आज तक नहीं दिखा सकी। आज भी चीनी नागरिकों को यह ठीक-ठीक नहीं पता कि उनके कितने सैनिक उस भिड़ंत में मारे गए। उसके बाद अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसके खिलाफ जिस तरह की गोलबंदी हो रही है और अमेरिका से व्यापारिक तनातनी भी बढ़ रही है, उन सबके मद्देनजर उसे अपने देश के अंदर राष्ट्रवादी भावनाएं भड़काना जरूरी लग रहा है, तो इसे उसकी असुरक्षा ही मानना होगा।

कौशल विकास को इज्जत तो मिले

रंजन कुमार सिंह

कुशलकर्मी की आवश्यकता कहां नहीं है? चाहे वह घरेलू कामकाज के लिए हो या फिर दफ्तर के काम के लिए, कल-कारखानों के लिए हो या खेत-खलिहान के लिए। कारखानों को जिस तरह कच्चा माल और बिजली-पानी जैसी आधारभूत संरचना की जरूरत होती है, उसी तरह उसे कुशलकर्मी भी चाहिए होते हैं। हर सरकार मानव संसाधन का विकास कर देश को प्रगति एवं विकास के पथ पर बढ़ाने की मंशा रखती है। भारत का सौभाग्य है कि उसकी अधिसंख्य आबादी अभी युवा है। आंकड़े बताते हैं कि देश की 62 फीसदी से अधिक आबादी 15 से 59 आयु वर्ग की है। यही वह उम्र है ,जब व्यक्ति में काम करने की ऊर्जा होती है और वह रोजगार में लगा होता है। विश्व स्तर पर देखें तो यूरोपीय देशों से लेकर अमेरिका तक की अधिसंख्य आबादी उम्रदराज हो चुकी है। चीन का भी यही हाल है। ऐसे में दुनिया को यदि श्रमशील आबादी की जरूरत होगी तो उन्हें भारत की तरफ ही देखना पड़ेगा। दिक्कत यह है कि युवा शक्ति से परिपूर्ण होने के बावजूद भारत का अधिसंख्य श्रमबल कुशल नहीं है। जहां अमेरिका की लगभग आधी आबादी और जर्मनी की दो-तिहाई आबादी कुशलकर्मी है, वहीं भारत के कुल श्रमबल का 5 फीसदी भी कुशलकर्मी नहीं कहा जा सकता। चीन में कुशलकर्मियों का प्रतिशत अन्य देशों के मुकाबले कम होते हुए भी हमसे बहुत ऊपर 24 फीसदी पर है।

वर्तमान भारत की औसत आयु 29 वर्ष है। 86.9 करोड़ के श्रमबल के साथ पूरी दुनिया के श्रमबल का 28 फीसदी हिस्सा आज हमारे पास है। इसी को लक्ष्य कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को विश्व की कौशल राजधानी बनाने की बात कही थी। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय का गठन कर उन्होंने अपने इस निश्चय पर मुहर भी लगा दी। यही नहीं, देश के एक करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित करने के लक्ष्य के साथ उन्हें रोजगार योग्य बनाने के लिए अत्यंत महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना भी चलाई गई है। इस योजना के तहत देश भर में लगभग नौ हजार प्रशिक्षण केंद्र सक्रिय रहे, जिनमें सवा सात सौ के करीब प्रधानमंत्री कौशल केंद्र भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री कौशल केंद्रों की स्थापना देश के हरेक जिले में अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र के तौर पर की गई है, जो उस जिले के दूसरे प्रशिक्षण केंद्रों के लिए मानक का काम कर सकें। देश भर में कौशल विकास केंद्रों का जाल बिछाने में लगभग 2500 प्रशिक्षण साझेदारों की भूमिका अहम रही है। यहां यह बता देना भी जरूरी होगा कि प्रशिक्षण केंद्रों की इस संख्या में वे प्रशिक्षण केंद्र शामिल नहीं हैं, जो सीधे-सीधे प्रांतों के कौशल विकास मिशन से जुड़े हैं। यानी लगभग नौ हजार की यह संख्या उन्हीं केंद्रों की है जो केंद्र सरकार द्वारा

संचालित कौशल विकास योजनाओं में योगदान कर रहे हैं। इस योजना से देश भर के 40 लाख से अधिक युवा लाभान्वित हुए हैं, जिनमें से अठारह लाख से अधिक को कौशल प्रशिक्षण लेने के बाद रोजगार पाने में सफलता मिली है। प्रांतीय मिशनों तथा कौशल विकास की अन्य विभागीय योजनाओं में निश्चय ही और भी युवा लाभान्वित रहे होंगे। सवाल उठाया जा सकता है कि इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत इतने कम लोग प्रशिक्षित क्यों हुए या इतने कम लोगों को रोजगार क्यों मिल सका। इसका जवाब के लिए हमें खुद अपने को और अपने समाज को टटोलने की जरूरत है। सच यह है कि हम चौथी श्रेणी की सरकारी सेवा में भी दाखिल होना अपना सौभाग्य मानते हैं, जबकि कौशल पर आधारित मेहनत के काम से जी चुराते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा भी जितनी सरकारी सेवा को प्राप्त है, उतनी कौशल आधारित रोजगार को नहीं। इस मनःस्थिति को बदले बिना कौशल प्रशिक्षण और कौशल आधारित रोजगार को युवाओं की महत्वाकांक्षा से जोड़ पाना कठिन है। हालांकि इसका दूसरा पहलू भी है। यदि युवाओं को मेहनत के इस काम में समुचित पारिश्रमिक मिले तो शायद उनका आकर्षण इस ओर बढ़ेगा। अपने देश में रोजगार को शिक्षा के प्रमाण-पत्र से जोड़ कर देखा जाता रहा है। कॉलेज की डिग्री के लिए आपाधापी इसी वजह से है कि इसके आधार पर रोजगार सुलभ हो जाता है। यदि कौशल प्रशिक्षण के बाद रोजगार के अवसर मिलने की आशा होगी तो युवाओं का रुझान अपने आप कौशल प्रशिक्षण की ओर बढ़ेगा। संभवतः पहली बार सरकार ने इस स्थिति को बदलने की कोशिश की है और कौशल प्रशिक्षण को वही महत्व दिया, जो शिक्षा को दिया जाता है। कौशल क्षेत्र की विडंबना रही है कि इसमें अब से पहले मानकीकरण की कोशिश नहीं हुई। पहली बार कौशल प्रशिक्षण में मानक स्थापित किए गए हैं और अब उनका प्रमाण-पत्र देखकर कोई भी यह समझ सकता है यह व्यक्ति कितना कुशल है। चाहे कोई व्यक्ति कश्मीर का हो या केरल का, असम का हो या गुजरात का, सभी को समान पाठ्यक्रम और एक जैसी परीक्षा से गुजरना पड़ता है। कुछ वैसे ही जैसे सीबीएससी से जुड़े स्कूलों में होता है।

अब तक 2461 कार्य भूमिकाओं के लिए 13 हजार से अधिक मानक पाठ्यक्रम तैयार किए जा चुके हैं। सही मायने में यह उपलब्धि 6.5 लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने से ज्यादा महत्वपूर्ण है। उससे भी बड़ी बात यह है कि ये सभी पाठ्यक्रम उद्योग-व्यवसाय जगत की जरूरतों को देखते हुए उनके साथ मिलकर तैयार किए गए हैं। इससे प्रशिक्षण को उद्योगसम्मत तथा प्रशिक्षार्थियों को नियोजनयोग्य बनाने में मदद मिली है और इसका लाभ आगामी वर्षों में स्पष्ट दिखाई देगा। हम कह सकते हैं कि कौशल विकास के लिए जिस संरचना की जरूरत है, उसका विकास हो चुका है। ऊर्जावान युवाओं की बड़ी संख्या भी मौजूद है। बस कौशल क्षेत्र को सामाजिक प्रतिष्ठा दिलाने की चुनौती है। जिस दिन इस मोर्चे पर हमने उपयुक्त तैयारी कर ली, भारत को विश्व की कौशल राजधानी बनने से कोई रोक नहीं सकेगा।

मायावती आश्रम में स्वामी जी ने दिया था जल संरक्षण व जैविक खेती का संदेश

सरिता कुमारी

आज पूरी दुनिया में जल संरक्षण व जैविक खेती को बढ़ावा देने की शोर है। वजह अंधाधुंध विकास की होड़ में प्रकृति के साथ अनावश्यक छेड़छाड़ ने पर्यावरण के बदलते मिजाज के संग मानव जीवन ही को ही नहीं बल्कि धरा की प्रकृति को भी बदल कर रख दिया है। शायद यही वजह है कि युगद्रष्टा स्वामी विवेकानंद ने वर्ष 1899 में ही भविष्य की परिस्थितियों को भांपते हुए जल संरक्षण और जैविक खेती को बढ़ावा देने का संदेश दिया था। दुमका के रामकृष्ण आश्रम के स्वामी विश्वरूप महाराज कहते हैं कि वेदांत दर्शन के ज्ञाता स्वामी विवेकानंद ने उत्तराखंड के लोहाघाट के अद्वैत आश्रम में जल संरक्षण व जैविक खेती का संदेश वर्ष 1901 में दिए थे। आज दुनिया भर के लिए ईश्वर उपासना के इस केंद्र में स्वामी जी 15 दिन के प्रवास पर ठहरे थे। स्वामी विश्वरूप महाराज कहते हैं किस्वामी विवेकानंद हिमालय के किसी खूबसूरत स्थल पर अद्वैत आश्रम की स्थापना करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने कई शिष्यों को पत्र लिखा था। उन्होंने अल्मोड़ा के लाला बद्री साह को भी एक पत्र लिखा था। जिसमें उन्होंने लिया कि प्रिय साह जी, मैं एक मठ स्थापित करना चाहता हूं। मेरी इच्छा है कि वह अल्मोड़ा या उसके समीप किसी स्थान पर हो। मैं चाहता हूं एक छोटी-सी पहाड़ी मिल जाए तो अच्छा रहेगा। उनके इस कार्य में अंग्रेज शिष्य कैप्टन सेवियर व उनकी पतनै भी जुट गई थीं। सेवियर दंपती ने 19 मार्च 1899 को अद्वैत आश्रम तैयार किया जिसे आज मायावती आश्रम नाम से जाना जाता है। पेड़-पौधों, पशु-पक्षियों से आच्छादित निर्जन वन में स्थित इस आश्रम में स्वामी विवेकानंद तीन जनवरी 1901 में आए थे। अपने 15 दिन के प्रवास में उन्होंने अध्ययन, लेखन व ध्यान में समय व्यतीत किया था। इस आश्रम की जैव विविधता आज भी देखते ही बनती है। यह ईश्वर के उपासना का अछ्वूत केंद्र है। यहां एक अस्पताल भी संचालित है।

स्वामी विश्वरूप महाराज कहते हैं कि स्वामी विवेकानंद सेवा व त्याग के प्रतिमूर्ति थे। कहा कि उत्तराखंड के पांचवें व अंतिम प्रवास के दौरान स्वामी जी ने इस आश्रम में रहते हुए जैविक खेती को बढ़ावा देने की पहल की थी। आज भी इस आश्रम में गोपालन की परंपरा है जिन्हें खाने में पौष्टिक चारा दिया जाता है। उनके गोबर की खाद से ही खेती की जाती है। गेहूं के अलावा तमाम तरह की सब्जियां उगाई जाती हैं। इसके अलावा आश्रम परिसर में ही एक झील है जिसे विवेक झील के नाम से जाना जाता है। जब स्वामी जी ने इस जगह को देखकर काफी प्रभावित हुए थे। तब उन्होंने कहा था कि अपने जीवन के अंतिम भाग में मैं समस्त जनहित के कार्यों को छोड़ यहां आऊंगा और ग्रंथ रचना तथा संगीत में अपना समय बिताऊंगा। स्वामी विश्वरूप महाराज कहते हैं कि इस जगह को अब और खूबसूरत बना दिया गया है, जो जल संरक्षण का संदेश भी देता है।दुमका के श्रीरामकृष्ण आश्रम में जल संरक्षण की पुख्ता व्यवस्था : स्वामी विश्वरूप महाराज कहते हैं कि दुनिया भर में तेजी से जल संकट गहराता जा रहा है। ऐसे में अब बूंद-बूंद सहेजने की जरूरत है। स्वामी विवेकानंद के संदेशों को गंभीरता से समझने व आत्मसात करने की जरूरत है। सेवा और त्याग की भावना सबसे अहम है। कहा कि दुमका के श्रीरामकृष्ण आश्रम के विभिन्न हिस्सों में जल संरक्षण के लिए वैज्ञानिक तरीके से आधा दर्जन से अधिक स्थायी संरचनाएं तैयार कर जल संरक्षण किया जाता है। आश्रम में उपयोग हो रहे जल के अलावा इन संरचनाओं के माध्यम से वर्षा जल को भी संरक्षित किया जाता है। इसके अलावा यहां युवाओं के निशुल्क शिक्षण की व्यवस्था भी है।

धर्मांतरण का सहारा लेकर अपने धर्म का अस्तित्व बचाने का हो रहा है प्रयास

डॉ. नीलम महेंद्र

उत्तर प्रदेश के ताजा घटनाक्रम से विषय की संवेदनशीलता इसलिए बढ़ जाती है क्योंकि अब तक अधिकतर गरीब मजलूम और कम पढ़े लिखे लोग ही धर्मांतरण का शिकार होते थे लेकिन इस बार धर्मांतरण करने वाले लोगों में पढ़े लिखे डॉक्टर, इंजीनियर और एमबीए तक करे हुए नौजवान हैं। कुछ दिनों पहले उत्तर प्रदेश में लगभग एक हजार लोगों के धर्मांतरण का मामला सामने आया था। खबरों के अनुसार इन लोगों में मूक बधिर बच्चों से लेकर युवा और महिलाएं भी शामिल हैं। मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि धर्म बदलने वाले इन लोगों में ज्यादातर पढ़े लिखे युवा थे। सरकारी नौकरी करने वाले से लेकर बी.टेक कर चुके शिक्षक और एमबीए पास युवक से लेकर सॉफ्टवेयर इंजीनियर, एमबीबीएस डॉक्टर तक इसमें शामिल हैं।

दिलचस्प बात यह है कि ये सब उस प्रदेश में हुआ जहां धर्मांतरण के खिलाफ 2020 में ही एक सख़्त कानून लागू कर दिया गया था।

लेकिन हमारे देश में धर्मांतरण की समस्या केवल एक प्रदेश तक सीमित नहीं है। झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल जैसे देश के कई राज्यों में धर्मांतरण के मामले आए दिन सामने आना एक साधारण बात है। सत्य तो यह है कि हमारे देश में धर्मांतरण की समस्या काफी पुरानी है। यही कारण है कि इस विषय में महात्मा गांधी कहते थे कि, ठमैं विश्वास नहीं करता कि एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का धर्मांतरण करे। दूसरे के धर्म को कम करके आँकना मेरा प्रयास कभी नहीं होना चाहिए। मेरा मानना है कि मानवतावादी कार्य की आड़ में धर्म परिवर्तन रुग्ण मानसिकता का परिचायक है। दरसअल कभी मानवता के नाम पर तो कभी गरीबी और लाचारी का फायदा उठाकर, कभी बहला फुसलाकर तो कभी लव जिहाद के धोखे से हमारे देश में बड़ी तादाद में लोगों का धर्मांतरण कराया जाता रहा है। किंतु उत्तर प्रदेश के ताजा घटनाक्रम से इस विषय की संवेदनशीलता इसलिए बढ़ जाती है क्योंकि अब तक अधिकतर गरीब मजलूम और कम पढ़े लिखे लोग ही धर्मांतरण का शिकार होते थे लेकिन इस बार धर्मांतरण करने वाले लोगों में पढ़े लिखे डॉक्टर, इंजीनियर और एमबीए तक करे हुए नौजवान हैं। यहाँ कुछ कथित उदारवादी यह तर्क दे सकते हैं कि धर्म अथवा पंथ एक निजी मामला है और हर किसी को अपना धर्म चुनने का अधिकार है। इसलिए धर्मांतरण पर आपत्ति करना व्यर्थ की राजनीति है। तो प्रश्न यह उठता है कि मूक और बधिर बच्चे भी क्या उनकी इस परिभाषा के दायरे में आते हैं? प्रश्न यह भी कि अगर कोई एक व्यक्ति अपना धर्म अथवा पंथ बदलता है तो वो उसका निजी मामला हो सकता है लेकिन जब लगभग एक हज़ार लोग धर्मांतरण करें तो भी क्या वो निजी मामला रह जाता है? एक व्यक्ति की आस्था बदलना उसका निजी मामला हो सकता है लेकिन एक हज़ार लोगों की आस्था में परिवर्तन निजी मामला कतई नहीं हो सकता। क्योंकि आस्था में परिवर्तन के साथ जिस धर्मांतरण को अंजाम दिया जाता है वो कहानी का अंत नहीं शुरुआत होती है। शुरुआत होती है एक सिलसिले की। एक सुनियोजित षड्यंत्र की जो शुरू तो होता है नाम बदलने के साथ लेकिन व्यक्तित्व और विचार भी बदल देता है। जब कोई आदित्य अब्दुल्ला बनता है या बनाया जाता है तो सिर्फ नाम ही नहीं खान-पान और पहचान भी बदल जाती है।

उपासना पद्धति ही नहीं बदलती उसके त्योहार और उसकी आस्था भी बदल जाती है। अभी कुछ दिनों पहले ऐसा ही एक मामला मध्य प्रदेश में सामने आया था जब एक महिला की मृत्यु के बाद उसके बेटे ने हिंदू रीति रिवाज से उसका अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया था क्योंकि उसने धर्मांतरण कर लिया था। जाहिर है इस प्रकार की घटनाएं समाज पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। यही कारण है कि इस विषय में स्वामी विवेकानंद का कहना था कि एक हिंदू का धर्मांतरण केवल एक हिंदू का कम होना नहीं, बल्कि एक शत्रु का बढ़ना है। और शायद उनके इस कथन का उत्तर प्रदेश के इस मामले से बेहतर कोई और उदाहरण नहीं हो सकता। क्योंकि इस मामले को देखें तो घटना का मुख्य आरोपी उमर गौतम खुद धर्मांतरण से पुर्व श्याम प्रसाद सिंह गौतम था जिसने लगभग एक हज़ार लोगों के धर्मांतरण को अंजाम दिया। इस व्यक्ति का एक तथाकथित वीडियो सामने आया है जिसमें वो स्वीकार कर रहा है कि कैसे वो खुद धर्मांतरण करके श्याम प्रसाद सिंह गौतम से मौलाना उमर गौतम बना और कैसे उसने एक हज़ार लोगों का धर्मांतरण करके न जाने कितने ही सौरभ शर्मा को मोहम्मद सूफियान बनाया है। इसे क्या कहा जाए कि भारत में धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र के नाम पर जिस धर्मांतरण को अंजाम दिया जा रहा है उसी धर्मांतरण को इस्लामी देशों में गैर कानूनी माना जाता है। यह जानना रोचक होगा कि इस्लामी कानून पालन करने वाले कई इस्लामी देशों जैसे सऊदी अरब, सूडान, सोमालिया, जोर्डन, इजिप्ट में पंथ परिवर्तन गैर कानूनी है और इसके लिए सख्त सज़ा का प्रावधान है। मालदीव में तो अगर कोई मुस्लिम समुदाय का व्यक्ति अपना पंथ बदलता है तो उसकी नागरिकता ही समाप्त हो सकती है।

कहने को भारत में भी धर्मांतरण रोकने के लिए कानून है जो गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड समेत देश के नौ राज्यों में लागू है। ओडिशा में तो यह 1967 से लागू है। लेकिन धर्मांतरण रोकने में यह कानून कितना कारगर है इस प्रकार की घटनाएं खुद इस बात की गवाही दे देती हैं। गवाही के साथ इस प्रकार की घटनाएं स्थिति की गंभीरता की ओर भी इशारा करती हैं। यह वाकई में चिंताजनक है कि स्वामी विवेकानंद और गाँधी जी जैसे व्यक्तित्व जिस विषय की गंभीरता को सालों पहले हमारे सामने ला चुके थे वो विषय आज पहले से भी अधिक गंभीर हो चुका है। स्पष्ट है कि कानून बनाना ही पर्याप्त नहीं है उसे कठोरता से लागू करना महत्वपूर्ण है। लेकिन जिस प्रकार हर सिक्के के दो पहलू होते हैं उसी प्रकार धर्मांतरण के भी दो पक्ष है। यह पक्ष तो हम सभी के सामने है कि किस प्रकार लोगों को बहला फुसलाकर हिंदू धर्म से उनका धर्मांतरण कराया जाता है। किंतु इसका दूसरा पक्ष यह है कि जिस हिंदू धर्म से लोगों का धर्मांतरण कराया जाता है वो हिंदू धर्म इस धरती का सबसे पुराना और सनातन धर्म है। उस सनातन धर्म के निशान विश्व के हर कोने में आज भी मौजूद है। रूस से लेकर रोम तक और अफ्रीका से लेकर इंडोनेशिया जहां आज विश्व की सर्वाधिक मुस्लिम आबादी है, तक के देशों के इतिहास में सनातन धर्म कभी उनकी संस्कृति का हिस्सा थी। इससे बड़ी बात क्या होगी कि विश्व का सबसे बड़ा अंगकोर वट मंदिर भारत में नहीं अपितु कंबोडिया में 162.6 हेक्टेयर भूमि में स्थित है और विश्व में दूसरा सबसे बड़ा मंदिर स्वामी नारायण अक्षरधाम यूएस में है। कहने का तात्पर्य यह है कि यह सनातन धर्म के प्रति विश्व भर के लोगों का एक नैसर्गिक आकर्षण है। यही कारण है कि विश्व के विभिन्न भागों से लोग शाँति की खोज में इसी सनातन धर्म की शरण में आते है। सनातन धर्म को धर्मांतरण का सहारा नहीं लेना पड़ता। स्टीव जॉब्स, सिल्वेस्टर स्टेलोन, मार्क जुकरबर्ग, जूलिया रॉबर्ट्स जैसे हज़ारों लोग अपनी उसी नाम और पहचान के साथ सनातन धर्म को अपना सकते है। इसके लिए उन्हें ना तो अपना नाम बदलना पड़ता है। तो समझा जा सकता है कि जिन पंथों को अपने अस्तित्व को बचाने के लिए धर्मांतरण का सहारा लेना पड़ रहा है वो असलियत में कितनी कमजोर नींव पर खड़े है।

छह महीने या साल भर में काबुल पर तालिबान का कब्जा हो जायेगा

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

छह महीने या साल भर में काबुल पर तालिबान का कब्जा हो जायेगा बाइडन ने साफ-साफ कहा कि अफगान फौजों की वापसी तो होकर ही रहेगी। सिर्फ कुछ सौ जवान वहाँ टिके रहेंगे ताकि अमेरिकी राजदूतावास को सुरक्षा दे सकें। जहां तक काबुल हवाई अड्डे का सवाल है, उसकी सुरक्षा का जिम्मा तुर्की की सरकार ले ही रही है। दो महत्वपूर्ण घटनाएं हुईं। एक तो अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी और सीईओ डॉ. अब्दुल्ला की भेंट हुई और दूसरी घटना यह कि 'न्यूयार्क टाइम्स' में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान की लंबी भेंट-वार्ता छपी। उसमें अफगानिस्तान का केंद्रीय उल्लेख था। बाइडन से अफगान नेता अपना मनचाहा फायदा नहीं निकाल सके। अफगानिस्तान और पाकिस्तान, दोनों की सरकारें चाहती हैं कि अमेरिका सेना अफगानिस्तान में अभी टिकी रहें। 11 सितंबर को वापस न लौट जाएं। यह पता नहीं चला कि अशरफ गनी और अब्दुल्ला ने इस सवाल पर कितना जोर लगाया। उनकी बातचीत के जो विवरण सामने आए हैं, उससे यही अंदाज लगता है कि यदि उन्होंने जोर लगाया भी होगा तो वह बेअसर रहा। बाइडन ने साफ-साफ कहा कि अफगान फौजों की वापसी तो होकर ही रहेगी। सिर्फ कुछ सौ जवान वहाँ टिके रहेंगे ताकि अमेरिकी राजदूतावास को सुरक्षा दे सकें।

जहां तक काबुल हवाई अड्डे का सवाल है, उसकी सुरक्षा का जिम्मा तुर्की की सरकार ले ही रही है लेकिन अफगानिस्तान के सैकड़ों छोटे-मोटे जिलों का क्या होगा, इस बारे में बाइडन ने कहा कि अब अफगानिस्तान अपने पांवों पर खड़ा होगा। पिछले 20 साल से अमेरिका उसकी सुरक्षा कर रहा था लेकिन अब यह जिम्मेदारी अफगान फौज की होगी। इसका अर्थ यह नहीं कि अमेरिका-अफगानिस्तान का साथ छोड़ देगा। वह उसकी पूरी मदद करेगा। उसकी सुरक्षा के लिए वह 3.3 बिलियन डॉलर की मदद का भी इंतजाम कर रहा है। अफगानों को खुद तय करना है कि उनकी सुरक्षा कैसे होगी। वे उन अफगान नागरिकों को अमेरिका ले आएंगे, जो अमेरिका सेना के साथ सक्रिय थे और जिन्हें मार डालने के लिए तालिबान कटिबद्ध है। बाइडन की ये सब बातें काफी चिकनी-चुपड़ी लगती है लेकिन अमेरिका, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के कई विशेषज्ञों के साथ हुई मेरी बातचीत का नतीजा यह निकलता है कि अगले छह माह या साल भर में काबुल पर तालिबान का कब्जा हो जाएगा। कई अफगान नेता मुझसे पूछ रहे थे कि वे शीघ्र ही भारत में आकर रहने लगें तो कैसा रहेगा ? उधर अफगान सरकार ने दावा किया है कि उसने तालिबान को छह जिलों से बेदखल कर दिया है। दूसरी ओर, इमरान खान ने अपनी भेंट-वार्ता में कहा है कि अमेरिका अपनी वापसी के पहले अफगान-संकट का हल निकलवा देता तो बेहतर होता। दूसरे शब्दों में अमेरिका अफगानिस्तान को अधर में लटकता छोड़कर जा रहा है। इमरान ने अमेरिकी वापसी के बाद उसे अपने हवाई अड्डों के इस्तेमाल की सुविधा देने से मना कर दिया है। इमरान ने इस बारे में एक शब्द भी नहीं कहा है कि अफगान-संकट के राजनीतिक समाधान में पाकिस्तान की भूमिका क्या होगी। मेरा मानना है कि यदि पाकिस्तानी फौज और इमरान खान हिम्मत करें तो अफगान-संकट का हल वे अमेरिका से भी बेहतर निकाल सकते हैं।

इतिहास को को भी याद रखे

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

'सिख होने के नाते, ये परिवार का कर्तव्य है कि वो अपने बच्चों को सिख जीवन-पद्धति का अनुसरण करने की शिक्षा दें, उन्हें प्रोत्सहित करें। हम गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के नाते केवल धर्म का प्रचार ही कर सकते हैं, किसी पर धर्म थोप नहीं सकते,ङ्क जम्मू-कश्मीर में सिख लड़कियों के मुसलामानों के हांथों अपहरण कि बढ़ती घटनाओं को लेकर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का ये मीडिया को दिया ये बयान था। इसके साथ ही ध्यान इस और भी देना होगा कि तात्कालिक सुविधाओं के चलते कहीं इतिहास की अनदेखी तो नहीं हुई है। सिख समाज सदा याद रखे कि वो अपने उन गुरुओं के वंशज हैं जिन्होंने देश कि रक्षा और उनन्ति के लिए त्याग और बलिदान की परकाष्ठ करी है। मजहबी उन्माद से ग्रस्त मुग़ल बादशाहों के हांथों गुरु अर्जुन देव और गुरु तेगबहादुर के क्रूर वध के फलस्वरूप जब गुरु गोविन्द सिंह नें 'खालसा पंथ' कि स्थापना करी तो उन्होंने सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन का पूरा ध्यान रखा। इसलिए कि वो जानते थे कि ये लडाई देश कि लडाई है, जिसे हर भेद को पीछे छोड़कर पूरी एकजुटता से ही लड़ना होगा। खालसा के संकल्प को पूर्ण करने गुरु गोविन्द सिंह नें जिन पांच लोगों को सर्वप्रथम चुना, जो कि 'पंज-प्यारे' कहलाये, वो थे- धोबी समाज से; मोहकचंद ; नाई समाज से, सहाबचंद; कुम्हार समाज से, हिम्मत राय; जाट समाज से , धर्म सिंह ; खत्री समाज से, दयाराम । इनमें से तीन बीदर, द्वारकापुरी व जगननथपुरी के थे ; शेष दो पंजाब के। मुग़लों के विरुद्ध लडाई में उन्होंने अपने चारों पुत्रों और स्वयं कि बलि चढ़ा भले ही दो हो लेकिन दुनिया छोड़ने से पहले मुग़लों की शक्ति छीण कर उन्हें इस लायक नहीं छोड़ा कि वो आगे सत्ता में अजेय बनकर शासन कर सकें। और फिर, गुरु गोविन्द सिंह के दिखाए मार्ग पर चलते हुए उनके वंशज महाराजा रंजित सिंह ने उनका सपना पूरा किया। वैसे तो सन 1755-1756 में पंजाब को मराठाओं ने मुग़लों से मुक्त करा लिया था, पर इसके बाद वहाँ भारतीय संप्रभुता को मजबूत करने का श्रेय जाता है महाराजा रंजित सिंह को। इतना ही नहीं मुस्लिम वर्चस्व को तोड़ते हुए उनके सेनापति हरिसिंह नलुआ ने अफगानिस्तान के अंदर घुसते हुए काबुल तक को सिख साम्राज्य में मिलाने में सफलता प्राप्त करी, और जिस रतन-जड़ित द्वार को आठ सौ वर्ष पूर्व मेंहमूद गजनवी सोमनाथ के मंदिर को ध्वस्त कर अपने साथ ले गया था उसे बापस लाकर पुनः उसी स्थान पर स्थापित करने का गौरव प्राप्त किया। अमृतसर के जिस हरिमंदिर गुरुद्वारा को अहमद शाह अब्दाली ने ध्वस्त कर दिया था उसका पुनर्निर्माण कर महाराजा रंजित सिंह ने उसे आज के 'स्वर्ण मंदिर' का रूप प्रदान किया। साथ ही मुस्लिम शासन काल में सदियों से चले आ रहे गोवध पर प्रतिबन्ध लगाया। आज पूरे देश को इतिहास की इस गौरवशाली घटना को याद रखने कि जरूरत है। 'सीऐऐ' हो चाहे 'किसान आन्दोलन' , इस दौरान 'जिननवादीयों' को जिस प्रकार धर्मस्थलों में शरण दी गयी, उनके साथ इफ्तार पार्टी की गयी सिख-समाज के समझदार बंधुओं को सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी घटनाओं कि पुनरावर्ती ना हो। तभी नई पीढ़ी से भी धर्म के मार्ग पर चलने कि उम्मीद लगाई जा सकती है, जैसा कि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी नें परिवारों से अपेक्षा करी है।